تمام جدول معرفة سمت القبلة وانحرافها في كل بلد يوخذ بفضل الطول على العرض

| عدد الطول | العرض: ا | | ب | | ج | | د | | ه | | و | | ز | | ح | | ط | | ي |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج | دقايق | درج |
| ا | د | س | ح | ا | د | كج | لو | ح | د | ح | لو | ح | كج | ح | ا | ب | نب | ب | مح |
| ب | ط | م | ب | لط | ح | نح | ح | ب | ب | ز | ي | و | مد | و | كا | ه | ح | مب | ه |
| ج | ا | كا | ا | كد | كج | لح | ب | ب | ب | ي | ما | ي | ب | ط | كط | ح | نط | ه | ل |
| د | كه | ا | ب | ل | يو | كج | يو | ط | ب | ب | ن | نح | نز | ب | لح | ا | ند | ا | ط |
| ه | كج | ن | ح | لو | كا | كد | نط | ب | ب | مز | كج | يو | كج | له | لد | لد | مو | مد | ح |
| و | كز | ط | كب | ا | كه | ب | كد | لا | ب | ك | مح | نط | لح | ح | ل | يو | لد | يو | مه |
| ز | ل | نه | كه | ب | كج | مز | كو | يو | ب | كج | مط | كب | لا | كا | | كا | نز | نط | ك |
| ح | لد | مه | كج | كج | لب | ي | ل | ي | ب | كو | مح | كه | كد | كد | كا | كه | نو | كا | نح |
| ط | م | م | لا | ك | له | نط | لح | ح | ب | كط | ح | كج | ل | كو | و | كه | كط | كد | كه |
| ي | مه | م | لد | ر | لح | ب | له | لو | ه | لب | كا | لب | مد | كط | مد | كو | يو | كو | مح |
| يا | مح | كه | لو | مه | م | نط | لح | لح | ب | لد | مد | لح | ند | لا | يو | ل | مح | كط | ح |
| يب | مه | نح | لح | نح | مح | لا | ما | لو | ب | لز | ك | له | لو | لد | مب | لب | لد | لا | يد |
| يج | مح | نط | ما | ل | مه | ب | مح | لو | ب | لط | لد | لز | نب | لو | د | لد | مد | لح | كا |
| يد | ن | كج | مح | مح | مح | كج | مه | مح | ب | ما | مز | م | ح | لح | يد | لو | مط | له | كج |
| يه | نب | كج | مه | مه | ن | د | مز | ن | ب | مح | مط | مب | ر | م | كا | لح | مح | لز | كج |
| يو | ند | نح | مو | م | نا | نو | مط | مه | ب | مه | مه | مح | بر | مب | نه | م | ما | لط | لح |
| يز | يو | ا | مط | كج | نح | ما | نا | لا | ب | مب | له | مه | مه | مد | د | مب | كط | ما | ح |
| يح | نز | له | ب | نه | مه | مط | نح | نا | ب | مط | لو | مز | كج | مو | لز | مد | نب | مب | مح |
| يط | مط | ح | نب | مه | يو | ن | ند | مب | ب | ن | نح | مط | و | مح | كه | مه | ن | مد | كا |
| ك | ني | كد | ند | نه | نح | له | نو | نب | ب | نب | كد | ان | لح | مح | نط | مز | كه | مه | نه |

جدول مواضع الكواكب الثابتة

Copyright © King Saud University

باب في صنوف المسايل اذا سالت عن سلطان ترجى استقامته هل يظفر به ام لا فانظر الى صاحب الطالع وصاحب وسط السما فان كان صاحب الطالع وسط السما فان كان صاحب وسط السما وقابل التدبير منها ينظر الى بيته دل على قضى الحاجة والظفر بها وذلك اذا اتصل به القمر فان رايت صاحب الطالع في بيت السلطان ليس بمنحوس ولا ينظر اليه صاحب وسط السما واتصل به الدليل ودفع اليه القوة والتدبير فان الحاجة تقضى وقبوله من وسط السما وان اتصل السعد من بيت السلطان او الحادي عشر من الطالع دل على قضى الحاجة وسائر الاوقات دون ذلك وان كان رايت رب بيت السلطان في الطالع والقمر يتصل به فان رد نورهما كوكب فان السلطان لا يطلب الحاجة بنفسه لكن يعمل له في ذلك فان نظر القابل الى وسط السما فانها تقضى بعد الاستعانة فانظر بعد ذلك كم بين القابل والنحس من درجة وكم بين الدابر وبين النحس ايضا فان وافق التدبير نحسا وقت القبول فان الحاجة لا تكون ولا يطمع فيها سيما ايضا ان كان قابل التدبير نحسا وان كان قابل التدبير سعدا ثم اتصل النحس فان الحاجة تفسد بعد الرجا والطمع وان جمع نور الطالع الدليلين في الطالع او وسط السما فان نظر بعد ذلك الى القمر فان اتصل بصاحب الطالع او بصاحب وسط السما كان الحاجة حق كما وصفت وكان الذي جمع النور وسط السما او سطه ولم يكن ساقطا ولم يخرج من ذلك البرج حتى يتصلا به وهو يرى من النحوس كان ذلك الامر وان رايت صاحب الطالع وصاحب وسط السما متقابلين فانظر بعد ذلك الى القمر فان دفع قوته وتدبيره الى احدهما وكان مقبولا كان ذلك ايضا وان لم يكن مقبولا وهو غير منحوس فانظر الى قابل التدبير منهما فان كان مريا من النحوس وهو ينظر الى بيته مع ما وصفت لك من فساد القمر فانه لا يظفر وان رايتهما يتصلان في اخر البرج الذي هما فيه فانه لم يكن للقمر بعد ذلك شهادة دل على الفساد واشد ذلك ان يكون القمر منحوسا فان دفع صاحب وسط السما تدبيره الى صاحب العاقبة وكان صاحب العاقبة يرد الى صاحب الطالع فانه يظفر وخير ذلك ان يشهد الدليل وان دفع صاحب التدبير الى صاحب العاقبة ورد صاحب صاحب العاقبة الى صاحب وسط السما فان دفع صاحب وسط السما تدبيره الى صاحب وتد الارض ولم يرد الى صاحب الطالع لم يظفر الى حينه ان يكون القمر منحوسا وان كان صاحب العاقبة مقبولا وهو غير منحوس فان كان قابل الدليل منحوسا افسد الحاجة وان قبل النحس وضوء ذلك الطالع او وسط السما فان الحاجة تقضى فان كان قابل الدليل من مقابله فانه يظفر وان كان مع صاحب من سلب او تسديس فانه يظفر بها في سهولة وان نظر الناظر مع ذلك الى الطالع من مقابله فانه يظفر وان كان مع صاحب وسط وان كان على ما ذكرت والنحس يقبل التدبير في وتد الارض فان ذلك لا يكون الا بعد حين وان قبل النحس من مربع او مقابل لم يظفر الا بعد اياس وان قبل صاحب الطالع والدليل وذلك النحس ينظر الى وسط السما وله شهادة فانه يظفر اذا كان وتد الارض ثابتا وان كان منقلبا كان غير الطالبة واعلم ان صاحب الطالع اذا كان في بيته استعمل على الارض الذي هو فيها وان كان في شرفه استعمل على ارض كثيرة والارض التي هو فيها وعمل من فقر له حظ صحيح ولكن لا يكون بارضه التي ولد فيها وان لم يكن له في موضعه حظ فانه مجهول فيلك البلاد الارض التي سهمها

باب في فتح الحصن اذا سالت عن حصن يفتح ام لا فاعلم ان الاوتاد الاربعة هي الحصن فاذا داخلها النحوس كانت فيها وان كانت فيها السعود لم يفتح فان كانت النحوس من اربابه كان فتحه من قبل الله والله اعلم

باب في زوال السلطان اذا سالت عن ذلك فاطلب فيها شهادة النجوم كما طلبت اولا في الباب الاول ثم انظر الى صاحب الطالع وصاحب وسط السما فان اتصلا وكان قابل التدبير في وتد

Created with PDFsharp 1.2.1269-g (www.pdfsharp.com)